



## दिव्यांगजन/बुजुर्ग की सहायता हेतु प्रौद्योगिकी

[drishtias.com/hindi/printpdf/disabled-elderly-and-technology](https://drishtias.com/hindi/printpdf/disabled-elderly-and-technology)

प्रीलिम्स के लिये:

टेक्नोलॉजी इंटरवेंशन डिसेबल्ड एंड एल्डर्ली कार्यक्रम

मेन्स के लिये:

दिव्यांगजनों और बुजुर्गों की सहायता हेतु प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दे

### चर्चा में क्यों?

‘साइंस फॉर इक्विटी एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट’ (Science for Equity Empowerment and Development) द्वारा COVID-19 से निपटने हेतु सहायक विभिन्न उपकरणों, प्रौद्योगिकियों और तकनीकों को विकसित करने में संस्थानों की सहायता की जा रही है।

### प्रमुख बिंदु:

- गौरतलब है कि ‘साइंस फॉर इक्विटी एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट’ द्वारा ‘टेक्नोलॉजी इंटरवेंशन फॉर डिसेबल्ड एंड एल्डर्ली’ (Technology Interventions for Disabled and Elderly-TIDE) कार्यक्रम के माध्यम से यह सहायता की जा रही है।
- ई-टूल (e-Tool):
  - ‘टेक्नोलॉजी इंटरवेंशन फॉर डिसेबल्ड एंड एल्डर्ली’ कार्यक्रम के अंतर्गत राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग कॉलेज (Rajalakshmi Engineering College), चेन्नई ने COVID-19 से उत्पन्न समस्याओं से निपटने हेतु ई-टूल (e-Tool) विकसित किया है।
  - ई-टूल के माध्यम से दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के अकेलेपन को दूर करने हेतु शिक्षा, मनोरंजन के साथ-साथ स्वास्थ्य तथा स्वच्छता से संबंधित जानकारी एवं जागरूकता प्रदान की जाएगी।
  - यह ई-टूल व्यक्तियों को टैब और मोबाइल के माध्यम से किसी भी कार्य को सीखने (मनोरंजन के साथ) में सहायक साबित होगा। इस टूल को अन्य स्वदेशी भाषाओं में भी परिवर्तित किया जा सकता है।
  - ई-टूल के बीटा संस्करण का उपयोग 200 विशेष-दिव्यांग बच्चों द्वारा किया जा रहा है।



### सेंसर डिवाइस:

- पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर (PSG College of Technology, Coimbatore) द्वारा एक पहनने वाला सेंसर डिवाइस विकसित किया गया है।
- इस सेंसर डिवाइस की मदद से बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के क्वारंटाइन या आइसोलेशन वार्ड में होने की स्थिति में उनकी गतिविधियों पर दूर से ही नजर रखी जा सकती है।
- यह उपकरण पूर्वानुमान भी बताता है और बुजुर्गों के स्वास्थ्य में गिरावट तथा कमजोरी के स्तर की भी जानकारी देता है।
- इस उपकरण की कीमत थोक उत्पादन की स्थिति में 1,500 रुपए है।



- हाथ में पहना जा सकने वाला बैंड:
  - मोटर फंक्शन से पीड़ित बुजुर्गों हेतु रियल टाइम निगरानी और पुनर्वास निर्देशित प्रोटोकॉल के माध्यम से फीडबैक प्रक्रिया से युक्त एक बैंड विकसित किया गया है।
  - यह उपकरण के पुनर्वास के दौरान मांसपेशियों की शक्ति, लचीलापन और उनकी सहनशीलता में सुधार लाने की दिशा में उपयुक्त तथा मात्रात्मक परिणाम को प्राप्त करने में मदद करेगा।
- भारत सरकार के दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग (Department of Empowerment of Persons with Disabilities) को शामिल करते हुए इन उपकरणों का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने हेतु एक कार्य योजना की भी शुरुआत की गई है।

## टेक्नोलॉजी इंटरवेंशन फॉर डिसेबल्ड एंड एल्डर्ली

### (Technology Interventions for Disabled and Elderly-TIDE):

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (Department of Science and Technology) के अंतर्गत 'साइंस फॉर इक्विटी एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट' (Science for Equity Empowerment and Development) ने "टेक्नोलॉजी इंटरवेंशन फॉर डिसेबल्ड एंड एल्डर्ली" नामक कार्यक्रम की शुरुआत की थी।

- इस कार्यक्रम के निम्नलिखित उद्देश्य हैं-
  - दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के सशक्तिकरण हेतु प्रौद्योगिकियों पर 'अनुसंधान और विकास' को बढ़ावा देना।
  - शैक्षणिक संस्थान, प्रतिष्ठित प्रयोगशाला, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित स्वैच्छिक संगठन, इत्यादि को अनुसंधान हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना।
  - दिव्यांगजनों और बुजुर्गों का सामाजिक समावेशन करना।

स्रोत: पीआईबी

---